Roll No. .....

E–3436

M. A. (Previous) EXAMINATION, 2021

HINDI

Paper Fifth

(जनपदीय भाषा और साहित्य)

(छत्तीसगढ़ी)

Time : Three Hours] [*Maximum Marks : 100*

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

इकाई—1

1. निम्नलिखित पद्यांशों एवं अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 30

(क) जा दिन ले नंदलाल ला, ठाढ़े देखेंव खोर।
कांही नहीं सुहावै, गोई किरिया तोर॥

सुन आज मुहाटी में ठाढ़े रेहेंव,
बेटवा, जसुदा लहं आइस ओ।
हँस के मोला देख भऊं टेढ़गा,
करके मुँह ला बिचकाइस ओ।
तब दौर पोटर निकार के लाज,
धरेंव मुड़ा छाँड़ पराइस ओ
खरिखा के तनी-वो धनी लरिका,
ठेंगवा मोला आज बताइस ओ॥

अथवा

दुनिया अठवारी बजार रे, उसल जाही।

दुनिया हर कागद के पहार रे, उफल जाही॥

अइसन लागय हाट इहाँ के कछू कहे नहि जावय

आँखी मा तो झूलत रहिथे काहीं हाथ न आवय॥

दुनिया हर रेती के महाल रे ओदर जाही।

दुनिया अठवारी बजार रे उसल जाही॥

(ख) कतको हुसियार लइका काबर नई होये, पहली साल ह ऊंखरों लटेपटे निभथें। बड़ चउज करथें। जुन्ना लइका मन, नवा लइका मन ल रोवा के छोड़ थें। कोनों कहिथें हमला सलाम करके जा। तब कोनों कहिथे गीत गा के बता। कतको झन जुन्ना छोकरी मन तो नवा छोकरी मन के मुँह मं काजर नहीं तो केवेछ पोछ देथे। अइसे ठोलहीं के आँखी ले आँसू निकले के डउल हो जाथे। फेर धीरे-धीरे हुसियार छोकरी-छोकरा मन के जुत्था बने लगथे। जेमन प्रथम दरजा म आए रहिथें तिंखर उहों मान बाढ़ जाथे।

अथवा

चिरई-चिरगुन मनखे के सुखः-दुख के संगवारी होथे। जौन समय बरम्हा हर ये पिरिथिवी ल सिरजिस तौन समय ओहर नदी, नरवा, पहाड़, ताल, तरइया, पेड़, जंगल, मनखे अउ नाना परकार के जीव-जंतु के रचना करिस होही। ये जतका जिनिस के ओहर रचना करे हे ओखर सीधा सम्बन्ध मनखे ले हे। कावर के मनखे

ओ सब के भोगी जीव हे। कोनों एक चीज खंग जाही तब ओखर जीव हर उकता जाही, चटपट करही इही सोच के ओहर सबे एकक ठन के रचना करे हे।

(ग) भईय्या मदन, तोला में हमार जात के गिरे हालत ला का बतावं, बतावब माँ घला लाज लग थे। तैं नई जानस भइया तुमन रहइया अब इलाहाबाद के जुन्ना तूंहर पढ़े-लिखे घराना, तुहार जातो हा कुछ सुधरे हुए, इहाँ अइसना बात ला खोजबे तो कहाँ पाबे। हिन्दूस्थान में पिछड़े हुए प्रांत, मध्य प्रदेश तऊन पिछड़े हुए प्रांत में पिछड़े हुए छत्तीसगढ़, तिहा के हमन नांगर जो तइया किसान।

अथवा

"गांधी उदगरे हे। ओकर लाम-लाम हाथ झूलत हे, माड़ी माड़ी ले। कनिहा म पटकू उघरा बदन, चेंदुवा मूंड, नानचुन घड़ी के झुलना। हाथ म धरे हे लउठी। रेंगथें त रेंगते जाथे। जेती ओ रेंगथे जम्मो मनखे उही कोती रेंग देथे। ललमुंहा अंगरेज बक्खाजथे। धरे संकय न टोके सकय। अघौर अस उठे हे, गांधी उदगरे हे।"

इकाई—2

2. कुकुटरधर पाण्डेय अथवा कपिलनाथ कश्यप का संक्षिप्त जीवन परिचय देते हुए उनकी काव्यगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। 15

अथवा

"गोरसी के गोठ" अथवा "फिरंतीन मौसी दाई" पाठ की तात्विक समीक्षा कीजिए।

इकाई—3

3. 'करमछड़हा' नाटक के आधार पर मूलचंद का चरित्र-चित्रण कीजिए। 15

अथवा

उपन्यास के तत्वों के आधार पर 'आवा' उपन्यास की समीक्षा कीजिए।

अथवा

'सऊत के डर' एकांकी की समीक्षा करते हुए उसके उद्देश्य पर प्रकाश डालिए।

इकाई—4

4. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 20

(क) डॉ. बल्देव का साहित्यिक परिचय।

(ख) कोदूराम दलित का व्यक्तित्व एवं कृतित्व।

(ग) पवन दीवान के काव्य की विशेषताएँ।

(घ) प्यारेलाल गुप्त का व्यक्तित्व एवं कृतित्व।

(ङ) नरसिंह दास का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

(च) जीवन यदु का साहित्यिक परिचय।

(छ) छत्तीसगढ़ी साहित्य का गाथा युग।

(ज) छत्तीसगढ़ी की प्रमुख बोलियों का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

इकाई—5

5. निम्नलिखित में से किन्हीं बीस प्रश्नों के उत्तर दीजिए : प्रत्येक 1

(i) छत्तीसगढ़ी राजभाषा दिवस कब मनाया जाता है ?

(ii) छत्तीसगढ़ी की एक पत्रिका का नाम लिखिए।

(iii) 'मेघदूत' का छत्तीसगढ़ी अनुवाद किसने किया है ?

(iv) 'सुसक झन कुररी सुरता ले' किसकी रचना है ?

(v) 'छत्तीसगढ़ी दान लीला' किसकी रचना है ?

(vi) हलबी बोली का दूसरा नाम क्या है ?

(vii) छत्तीसगढ़ का प्रथम उपन्यासकार किसे माना जाता है ?

(viii) 'सुरता के चंदन' किसकी रचना है ?

(ix) 'लम-चोची' में कौन-सा समास है ?

(x) नंदकिशोर तिवारी के एकांकी का नाम लिखिए।

(xi) 'आवा' उपन्यास का केन्द्रीय पात्र कौन-सा है ?

(xii) 'छत्तीसगढ़ी भाषा और साहित्य' ग्रंथ के संपादक कौन हैं ?

(xiii) 'सतवंतिन सुकवारा' के रचनाकार कौन हैं ?

(xiv) 'छत्तीसगढ़' के अन्य नाम क्या हैं ?

(xv) 'ठेठवार' शब्द का स्त्रीलिंग लिखिए।

(xvi) 'खेखर्री' शब्द का हिन्दी रूप लिखिए।

(xvii) 'खुसरा चिरई के बिहाव' किसकी रचना है ?

(xviii) 'आसो अइसन बरस रे बादर' पंक्ति किस कवि की है ?

(xix) 'मानक छत्तीसगढ़ी व्याकरण' ग्रंथ के लेखक कौन हैं ?

(xx) लाला जगदलपुरी कहाँ के निवासी थे ?

(xxi) सतनाम पंथ की स्थापना किसने की थी ?

(xxii) 'अरपा पैरी के धार महानदी के अपार' गीत के रचनाकार कौन हैं ?